# O.P. JINDAL SCHOOL, PATRATU

सत्रांत परीक्षा **2024-25**

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

कक्षा नवम

वषय-हिन्दी 'अ'

निर्धारित समय: **3** घंटे | अ धकतम अंक: **80**

सामान्य निर्देश :

(i)इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii)इस प्रश्न पत्र में चार खंड है खंड'क', 'ख' 'ग' और 'घ'।

(iii) खंड 'क' में कुल 2 प्रश्न है, जिसमें 10 उपप्रश्न हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उपप्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) खंड 'ख' में कुल 4 प्रश्न हैं, जिसमें 20 उपप्रश्न है। सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार वकल्पों को ध्यान में रखते हुए लखें।

(v) खंड-'ग' में कुल 5 प्रश्न हैं, जिसमें 21 उपप्रश्न है। सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार वकल्पों को ध्यान में रखते हुए लखें।

(vi) खंड 'घ' में कुल 4 प्रश्न हैं, जिसमें 9 उपप्रश्न है। सभी प्रश्नों के उतार निर्देशानुसार वकल्पों को ध्यान में रखते हुए लखें।

(यदि संभव ही तो सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लखें।

---------------------------------------------------

खंड 'क' **[14** अंक]

1. निम्न ल खत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर ल खए (1+1+1+2+2=7)

एक बार की बात है। ववेकानंद के शष्य ने कहा, "स्वामी जी, मैं अमेरिका जाना चाहता हूँ। वहीं जाकर भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज का प्रचार-प्रसार करूंगा। आप मुझे वदेश जाने की अनुमति व आशीर्वाद दें।" स्वामी जी ने कहा, "सोचकर बताऊँगा।" शष्य स्वामी जी का उत्तर सुनकर हैरान हो गया। शष्य ने स्वामी जी से पुनः यही प्रश्न कया तब भी स्वामी जी ने कहा, "सोचकर बताऊँगा।" शष्य समझ गया क स्वामी जी उसे अमेरिका नहीं भेजना चाहते फर भी वह स्वामी जी के पास ही रुका रहा। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उस शष्य को अपने पास बुलाया और कहा, "तुम अमेरिका जाना चाहते हो तो तुम जा सकते हो, मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।" दु वधा में पड़े शष्य ने स्वामी जी से पूछा, "इतनी सी बात के लए आपने दो दिन का समय क्यों लया?" स्वामी जी ने कहा, "मैं दो दिनों में तुम्हारी परीक्षा लेना चाहता था क]

तुम्हारे अंदर कतनी सहनशक्ति है? तुम्हारा आत्म वश्वास डगमगा तो नहीं रहा। ले कन तुम दो दिनों तक यहीं रुक कर मेरी आज्ञा का इंतजार करते रहे, न क्रोध कया और न ही धैर्य खोया। जिसमें इतनी सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम भाव है, वह कभी नहीं भटकेगा। कसी दूसरे देश के नागरिक के मन में अपने देश की संस्कृति को अंदर तक पहुंचाने के लए ज्ञान के साथ-साथ, धैर्य, ववेक और संयम की आवश्यकता होती है। मैं इसी की परीक्षा ले रहा था।

(क) शष्य अमेरिका में भारत की संस्कृति' का प्रचार-प्रसार क्यों करना चाहता था ?

(i) क्यों क वह अपने देश की संस्कृति से प्यार करता था।

(ii) क्यों क वह दूसरे देश के नागरिक के मन में अपने देश की संस्कृति पहुँचाना चाहता था।

(iii) क्यों क स्वामी जी ने उससे ऐसा करने के लए कहा था।

(iv) क्यों क वह वदेश जाना चाहता था। 1

(ख) स्वामी जी का उत्तर सुनकर शष्य ने क्या समझा ?

(i) स्वामी जी को वश्वास नहीं

(ii) स्वामी जी मेरी परीक्षा लेना चाहते हैं

(iii) स्वामी जी उसे अमेरिका नहीं भेजना चाहते

(iv) स्वामी जी मुझसे बहुत प्यार करते हैं

(ग) स्वामी जी शष्य की कौन-सी परीक्षा लेना चाहते थे?

(i) शष्य की चंचलता

(ii) शष्य की गुरु-भक्ति की

(iii) शष्य की सहनशीलता व धैर्य की

(iv) शष्य की लगन व परिश्रम की

(घ) दूसरे देश के नागरिक के मन में अपने देश की संस्कृति को अंदर तक पहुँचाने के लए कसकी आवश्यकता होती है? 2

(ङ) स्वामी जी के अनुसार कैसा शष्य नहीं भटकेगा? 2

2. निम्न ल खत काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर ल खए-(1+1+1+2+2=7)

आँसू से भाग्य पसीजा, हे मत्र, कहाँ इस जग में।
निठ यहाँ शक्ति के आगे, दीपक जलते मग मग में।
कुछ तनिक ध्यान से सोचो, धरती कसकी हो पाई ?
बोलो युग-युग तक कसने, कसकी वरुदाव ल गाई?
मधुमास मधुर रु चकर है, पर पतझर भी आता है, जग रंगमंच का अ भनय, जो आता सो जाता है।
सचमुच वह ही जी वत है, जिसमें कुछ बल- वक्रम है,
पल-पल घुड़दौड़ यहाँ है, बल-पौरुष का संगम है। दुर्बल को सहज मटाकर, चुपचाप समय खा जता, वीरों के ही गीतों को, इतिहास सदा दोहराता।

फर क्या वषाद, भय, चंता जो होगा सब सह लेंगे, परिवर्तन की लहरों में, जैसे होगा बह लेंगे।

(क) क्या आशय है, आँसू से भाग्य पसीजा, हे मत्र, कहाँ इस जग में-

(i) रोने-धीने से कुछ नहीं होता है।
(ii) रोने-धीने से लोग पसीज जाते हैं।
(iii) रोने-धोने से भाग्य नहीं बनता है।
(iv) रोने-धोने से भाग्य भी रोता है।

(ख) यहाँ लोग कसकी आराधना करते हैं?:
(i) समर्थ लोगों की

(ii) करुणावान लोगों को

(iii) दुर्बलों की

(iv) दीन-दु खयों की

(ग) पल-पल घुड़दौड़ यहाँ है का आशय है।

(1) हर पल बल-पौरुष की होड़ है।

(ii) यहाँ सदा नीचा दिखाने की होड़ है।

(iii) यहाँ हमेशा घोड़ों की दौड़ चलती है।

(iv) यहाँ हमेशा भागदौड़ मची रहती है।

(घ) यह क वता क्या प्रेरणा देती है?

(ङ) 'काव्यांश' में क व ने कस प्रकार का व्यक्ति बनने की सलाह दी है? 2

खंड 'ख'**[16 अंक]**

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से कन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-1×4=4)

(क) 'लापरवाह' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द ल खए।
(ख) 'पराधीन' शब्द में से उपसर्ग अलग कीजिए।
(ग) 'औना' प्रत्यय युक्त शब्द ल खए।
(घ) 'शैशव' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय ल खए।
(ङ) 'प्रतिदिन' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग ल खए।

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से कन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1 x 4 = 4)

(क) पंचवटी-शब्द का उ चत समास वग्रह और समास का नाम ल खए।

(ख) बहुव्रीहि समास का उ चत उदाहरण ल खए।
(ग) गृहस्वामी शब्द का उ चत समास वग्रह और समास का नाम ल खए।

(थ) चार मासों का समूह का उ चत समस्त पद ल खए।

(ङ) कॉलम । को कॉलम 2 के साथ सुमे लत कीजिए और सही वकल्प चुनकर ल खए-

कॉलम 1
1. प्रधान है जो मंत्री (
2. राह खर्च
3. शक्ति अनुसार

कॉलम 2
(I)राह के लए खर्च, संप्रदान तत्पुरुष समास

(II) यथाशक्ति, अव्ययीभाव समास

(III)प्रधानमंत्री, कर्मधारय समास

5. निर्देशानुसार 'अर्थ की ष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से कन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-(1x4=4)

(क) कृपया बैंक चले जाइए अर्थ के आधार पर वाक्य भेद ल खए।

(ख) निम्न ल खत में से वस्मयादिबोधक वाक्य ल खए।

(ग) आपकी यात्रा मंगलमय हो अर्थ के आधार पर वाक्य भेद ल खए।

(घ) पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है-अर्थ के आधार पर वाक्य भेद ल खए।

(ङ) कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमे लत कीजिए और सही वकल्प चुनकर ल खए-6

कॉलम 1

1.माताजी प्रतीक्षा में बैठी होंगी।

2.माताजी प्रतीक्षा में नहीं बैठी होंगी।

3.क्या माताजी प्रतीक्षा में बैठी होंगी ।

कॉलम 2

(I) निषेधवाचक वाक्य

(II) प्रश्नवाचक वाक्य

(III) संदेहवाचक वाक्य

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से कन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(1 x 4 = 4)

(क) तीन बेर खाती थीं। वे तीन बेर खाती हैं।

(ख) मधुबन की छाती को देखो, सूखी कतनी इसकी क लयाँ।

(ग) सुर भत सुंदर सुखद सुमन तुझ पर खलते हैं।

(घ) बढ़त-बढ़त संप त्त स लल, मन-सरोज बढ़ि जाय।

(ङ) तेरी बरछी ने बर छीने है खलन के।

## खंड- 'ग'[30 अंक]

7. निम्न ल खत पठित गद्यांश पर आधारित बहु वकल्पीय प्रश्नों के सर्वा धक उपयुक्त वकल्प चुनकर ल खए- (1x5=5)

झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी। बोली-कैसे नमकहराम बैल हैं क एक दिन वहाँ काम न कया: भाग खड़े हुए। झूरी अपने बैलों पर यह आक्षेप न सुन सका नमकहराम क्यों है? चारा-दाना न दिया होगा, तो क्या करते?स्त्री ने रोब के साथ कहा-बस, तुम्हीं तो बैलों को खलाना जानते हो, और तो सभी पानी पला - पलाकर रखते हैं। झूरी ने चढ़ाया चारा मलता तो क्यों भागते ? स्त्री चढ़ी-भागे इस लए क वे लोग तुम जैसे बुद्धुओं की तरह बैलों को सहलाते नहीं। खलाते हैं, तो रगड़कर जोतते भी हैं। ये दोनों ठहरे कामचोर, भाग निकले। अब देखू, कहाँ से खली और चोकर मलता है। सूखे भूसे के सवा कुछ न दूंगी, खाएँ चाहें मरें।
वहीं हुआ। मजूर को कड़ी ताकीद कर दी गई क बैलों को खाली सूखा भूसा दिया जाए।
बैलों में नौद में मुँह डाला, तो फोका फीका। न कोई चकनाहट, न कोई रस । क्या खाएँ? आशा-भरी आँखों से द्वार की ओर ताकने लगे।

(क) झूरी की पत्नी क्यों जल उठी?

(i) गाय को देखकर

(ii) बालकों को देखकर

(iii) होरा-मोती झूरी के साले गया के घर से भाग आए थे।

(iv) झूरी को देखकर

(ख) झूरी और उसकी पत्नी में झड़प क्यों हुई ?

(i) सूखी घास के कारण झपड़ हुई।

(ii) हीरा-मोती का भाग जाना झूरी और उसकी पत्नी में झड़प का कारण था।

(iii) गाँव वालों के कारण झड़प हुई।

(iv) बालकों के कारण झड़प हुई।

(ग) झूरी की पत्नी ने झूरी को बुद्धू क्यों कहा?

(i) क्रो धत होकर कहा

(ii) झूरी वास्तव में बुद्धू था

(iii) चढ़कर कहा

(iv) बैलों से अत्य धक प्यार करने के कारण

(घ) झूरी की पत्नी ने क्या निर्णय लया ?

(i) झूरी को खाना न देने का

(ii) बैलों को केवल सूखा-भूसा देने का

(iii) बच्चों को दंड देने का

(iv) स्वयं भूखा रहने का

(ङ) आशा-भरी आँखों से द्वार की ओर कौन ताकने लगा ?

(i) हीरा-मोती दोनों बैल

(ii) गाँव वाले

(iii) बालक

(iv) झूरी और गया

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्न ल खत चार प्रश्नों में से कन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में ल खए।(2 x 3 = 6)

(क) तिब्बत की कानून-व्यवस्था कैसी है?

ख) सा लम अली की जीवन-सं गनी का नाम बताइए तथा उनके कार्यक्षेत्र में उनका क्या योगदान था ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्रेमचंद की फोटो में क्या वशेषता थी ?

(घ) लड़ कयों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?

9. निम्न ल खत पठित काव्यांश पर आधारित बहु वकल्पीय प्रश्नों के सर्वा धक उपयुक्त वकल्प चुनकर ल खए - (1 x 5 = 5)

हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाई।

कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाई।।

ऊँचे कुल का जन मया, जे करनी ऊँच न होई।

सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोई।।

(क) कबीर ने कसे मरा हुआ कहा है?

(i) संकीर्ण वचारों वाले को

(ii) खुले वचारों वाले को

(iii) जो कभी पूजा नहीं करता

(iv) जो कसी का भला नहीं करता

(ख) साधु कसकी निंदा करते हैं?

(i) गलत काम करने वालों की

(ii) कभी पूजा न करने वालों की

(iii) ऊँचे कुल में जन्म लेने वाले की

(iv) सभी सही है

(ग) कबीर ने जी वत  कसे कहा है?

(i) जो संकीर्ण  वचारों को नहीं अपनाता।

(ii)जो संकीर्ण  वचारों को अपनाता है।

(iii) जो हिंदू-मुसलमान को एक नहीं मानता।

(iv)जो धर्म- वशेष के साथ जुड़कर रहता है।

(घ) क व ने  कस उदाहरण से अपनी बात की पुष्टि की है?

(i) चाँदी के कलश से

(ii) स्वर्ण कलश से

(iii) ताँबे के कलश से

(iv) अच्छे कर्मों से

(ङ) साधु  कसकी निंदा करते हैं-

(i) स्वर्ण की

(ii) कलश की

(iii) हिंदू की

(iv) मदिरा युक्त स्वर्ण कलश की

10. निर्धारित क वताओं के आधार पर निम्न ल खत चार प्रश्नों में से  कन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में ल खए।
(2 x 3 = 6)

(क) कोयल की चीख क व को कहाँ और  कस समय सुनाई पड़ी ?

(ख) 'ग्राम श्री' क वता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'मेघ आए' क वता में व र्णत एक बरस बाद अपने पति को देखकर नायिका की क्या दशा हुई है, बताइए।

(घ) क व ने बच्चों की मनपसंद चीजों के लुप्त होने की बातें क्यों कही हैं? 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' क वता के आधार पर  ल खए।

11. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्न ल खत तीन प्रश्नों में से  कन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में  ल खए।  (4 x 2 = 8)

(क) 'अच्छा है, कुछ भी नहीं। कलम थी, वह भी चोरी चली गई। अच्छा है, कुछ भी नहीं मेरे पास।' मूवी कैमरा, टेप रिकॉर्डर आदि की तीव्र उत्कंठा होते हुए भी लेखक ने अंत में उपर्युक्त कथन क्यों कहा ?

(ख) ले खका अपनी माँ से क्यों प्रभा वत थी ?

(ग) रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद बात-बात पर अपने समय की तुलना वर्तमान समय से करते हैं। इस प्रकार की तुलना करना कहाँ तक तर्कसंगत है?

## खंड 'घ' [20 अंक]

12. निम्न ल खत तीन  वषयों में से  कसी एक  वषय पर 100 शब्दों में एक अनुच्छेद  ल खए -

(6)

(क) साहित्य समाज का दर्पण है

* मानव एक सामाजिक प्राणी

* मानव साहित्य का केंद्र

* साहित्य समाज का अटूट संबंध

अथवा

(ख) जीवन में वन एवं पेड़-पौधों का महत्व

जीवनदायिनी

* शक्ति वनों का अभाव

* वर्षा का कारण

अथवा

(ग) बिन पानी सब सून

पानी का महत्व

* सम्मान का प्रतीक

* संभालकर रखने के उपाय

13. कसी एक वषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र ल खए। (5)

अनीता चौधरी, 555 ज्ञान खंड, सोनीपत की ओर से दूरदर्शन के महानिदेशक को पत्र ल खए जिसमें दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में शक्षाप्रद कार्यक्रम भी जोड़े जाएँ।

अथवा

आपके नगर में अना धकृत मकान बनाए जा रहे हैं। इनकी रोकथाम के लए जिला धकारी को पत्र ल खए।

14. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 100 शब्दों में लघुकथा ल खए और उससे मलने वाली शक्षा तथा शीर्षक भी ल खए।

संकेत बिंदु : दो भाई घर में अकेले..., फाइल में आतं कयों की जानकारी..., आतं कयों का घर में घुसना..., फाइल खोजना..., कमरे में बंद ..., आतंकी गरफ्तार...।

अथवा

देश में बढ़ रही कन्याभ्रूण हत्या पर चंता व्यक्त करते हुए समाचार-पत्र के संपादक को 100 शब्दों में ई-मेल ल खए। (5)

15.नौकरानी से काँच का गलास टूट गया। माल कन द्वारा नौकरानी को डाँटते हुए 80 शब्दों में संवाद ल खए।

अथवा

आप हिंदी छात्र परिषद के स चव प्रगन्य हैं। आगामी सांस्कृतिक संध्या के वषय में अनुभागी दीवार पट्टिका के लए 80 शब्दों में सूचना तैयार करें। (4)